

Pfarre Mariahilf Bregenz

19. Sonntag JK - B 11. August 2024

Jahresgedenken

Liedplan

| | | |
|-----------------------------|------------------|---|
| Einzug | | Orgel |
| Eröffnung | 711,1 | Wohin soll ich mich wenden |
| Kyrie | | gesprochen |
| Gloria | 711,2 | Ehre, Ehre |
| 1. Lesung | 1 Kön 19, 4–8 | <i>Durch diese Speise gestärkt, wanderte er bis zum Gottesberg</i> |
| Antwortgesang | 39,1 | Kostet und seht |
| 2. Lesung | Eph 4, 30 – 5, 2 | <i>Führt euer Leben in Liebe, wie auch Christus uns geliebt hat</i> |
| Evangeliumsruf | | Halleluja |
| Evangelium | Joh 6, 41–51 | <i>Ich bin das lebendige Brot, das vom Himmel herabgekommen ist</i> |
| Credo | | |
| Fürbitten | | |
| Gabenbereitung | 711,4 | Du gabst, o Herr |
| Sanctus | 711,5 | Heilig |
| Geh. des Glaub. AMEN | 774/775 201,3 | Kantor (Amen nur, wenn vom Priester angestimmt) |
| Vater unser | | |
| Agnus Dei | 711,6 | Mein Heiland, Herr und Meister |
| Kommunion | | Orgel |
| Schlussgebet | | |
| Danklied | 711,7 | Herr, du hast mein Flehn vernommen |
| Auszug | | Orgel |

Dienste

| | |
|------------------|-------------|
| | 9:00 |
| Organist | Johannes |
| Kantor | Helmut |
| Mesner | Andreas |
| Lektor | Otto |
| Kommunion | Gerda |

Anschlagtafel

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 7 | 1 | 1 | 1 | 2 |
| 3 | 9 | | | |
| 7 | 1 | 1 | 4 | 5 |
| 7 | 1 | 1 | 6 | 7 |
| | | | | |
| | | | | |

Mesnerhinweis: **Wettersegn**